Q. **This ethical framework is solely concerned with the consequences of one's actions.**

यह नैतिक ढाँचा केवल one's actions के परिणामों से संबंधित है।

- **A** Utilitarianism / उपयोमितावाद ✔ Answer / उत्तर
- **B** Deontology / कर्तव्य-निष्ठ नैतिकता
- **C** Virtue ethics / सदगुण नैतिकता
- **D** Metaethics / परा-नैतिकता

Explanation / व्याख्या

Utilitarianism उपयोगितावाद	Solely concerned with the consequences of one's actions. केवल one's actions के परिणामों से संबंधित है।
Deontology कर्तव्य-निष्ठ नैतिकता	Focuses on adherence to duty or rules, regardless of outcomes. परिणामों की परवाह किए बिना कर्तव्य या नियमों का पालन करना।
Virtue Ethics सद्गुण नैतिकता	Emphasizes the character and virtues of the moral agent. नैतिक कर्ता के चरित्र और सद्गुणों पर बल देती है।
Metaethics परा-नैतिकता	Deals with the nature of ethical properties and judgments. नैतिक गुणों और निर्णयों की प्रकृति से संबंधित है।

UGC-NET PYQ's

Q. **Deontological ethics argues that the morality of an action is based on:**

कर्त्तव्य-निष्ठ नैतिकता का तर्क है कि किसी क्रिया की नैतिकता आधारित होती है:

A The overall happiness produced
कुल मिलाकर उत्पन्न होने वाली खुशी

B The adherence to duty or rules ✔
कर्तव्य या नियमों का पालन

C The development of moral virtues
नैतिक गुणों का विकास

D The distribution of resources
संसाधनों का वितरण

Explanation / व्याख्या

- Deontological ethics by Immanuel Kant, argues that the morality of an action is primarily based on whether it adheres to a **set of duties or rules**, rather than on the consequences of the action.

इमानुएल कांट के अनुसार, कर्तव्य-निष्ठ नैतिकता का तर्क है कि किसी क्रिया की नैतिकता मुख्य रूप से इस बात पर आधारित होती है कि वह **कर्त्तव्यों या नियमों के एक समूह** का पालन करती है, न कि उसके परिणामों पर।

JRF Media Academy by Rohit

Q Which philosopher is most closely associated with utilitarianism, a form of consequentialism?

कौन-सा दार्शनिक उपयोजनवाद (utilitarianism), जो परिणामवादी (consequentialism) का एक रूप है, से सबसे निकटता से संबंधित है?

- **A** Aristotle
- **B** Immanuel Kant
- **C** John Stuart Mill ✓
- **D** Plato

Explanation / स्पष्टीकरण

- John Stuart Mill is the philosopher associated with utilitarianism, a normative ethical theory that falls under consequentialism.
- Utilitarianism evaluates the moral worth of an action based on its outcomes
- उपयोजनवाद किसी कर्म के नैतिक मूल्य को उसके परिणाम्मों के आधार पर परखता है।

Q. **Which ethical problem best illustrates inconsistencies in utilitarian thought?**

कौन सी नैतिक समस्या उपयोगितावादी विचार में असंगतियों को सबसे बेहतर दर्शाती है?

- **A** The Pleasure Machine
- **B** The Allegory of the Cave
- **C** The Trolley Problem
- **D** Case Studies

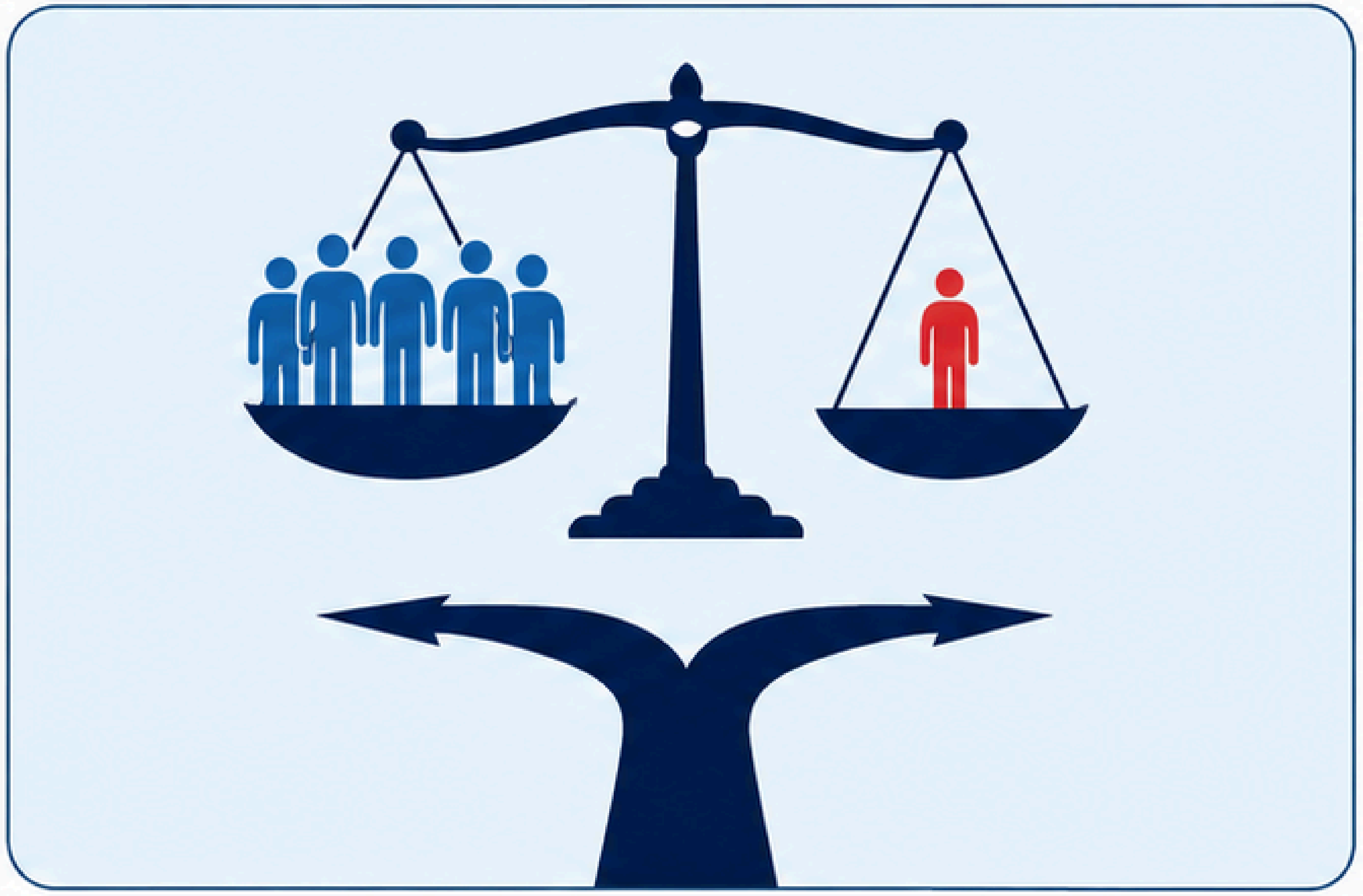

- The **Trolley Problem** is a thought experiment in ethics that best illustrates inconsistencies or challenges in utilitarian thought.
- ट्रॉली समस्या एक नैतिक विचार प्रयोग है जो उपयोगितावादी विचार में असंगतियों या चुनौतियों को सबसे बेहतर दर्शाती है।
- It highlights the utilitarian principle of maximizing happiness or minimizing suffering but raises ethical questions about the morality of actively causing harm to save others, thus exposing potential inconsistencies or conflicts within utilitarian ethics between the moral significance of actions and their outcomes.
- यह अधिकतम सुख या पीड़ा को न्यूनतम करने के उपयोगितावादी सिद्धांत को उजागर करती है, लेकिन दूसरों को बचाने के लिए सक्रिय रुप से हानि पहुंचाने की नैतिकता पर प्रश्न खड़े करती है, इस प्रकार कार्यो और उनके परिणामों के नैतिक महत्व के बीच उपयोगितावादी नैतिकता में संभावित असंगतियों या संघर्षो को उजागर करती है।

UGC-NET PYQ's

JRF Media Academy by Rohit

Q. Virtue ethics emphasizes:
सद्गुण नैतिकता बल देती है:

1. The consequences of actions
कार्य के परिणामों पर

2. The rules and duties
नियमों और कर्तव्यों पर

3. **The character and virtues of the moral agent**
नैतिक कर्ता के चरित्र और सद्गुणों पर

4. The will of the divine
दैवीय इच्छा पर

Explanation / व्याख्या:

- Virtue ethics focuses on the inherent character, virtues, and moral dispositions of the individual, rather than on the consequences of specific actions or adherence to a set of rules or duties.

  सद्गुण नैतिकता व्यक्ति के अंतर्निहित चरित्र, सद्गुणों और नैतिक प्रवृत्तियों पर केंद्रित होती है, न कि विशिष्ट कार्यों के परिणामों या नियमों और कर्तव्यों के पालन पर।

- It suggests that ethical behaviour springs from a person's character, making moral education and the development of virtuous habits key to ethical living.

  यह सुझात देती है कि नैतिक व्यवहार व्यक्ति के चरित्र से उत्पन्न होता है, जिससे नैतिक शिक्षा और सद्गुणी आदतों का विकास नैतिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है।

Q. According to Aristotle, the ultimate goal of human life, or the highest good, is:

अरस्तु के अनुसार, मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य, या परम सर्वोच्च भलाई, है:

- **A** Pleasure / सुख
- **B** Duty / कर्तव्य
- **C** Eudaimonia / युडेमोनिया ✔ Answer / उत्तर
- **D** Power / शक्ति

Explanation / व्याख्या

Aristotle suggests that the ultimate goal of human life is eudaimonia, often translated as happiness, flourishing, or well-being.

अरस्तु का कहना है कि मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य युडेमोनिया है, जिसे अक्सर खुशी, समृद्धि या कल्याण के रूप में अनुवादित किया जाता है।

UGC-NET PYQ's

Q. The veil of ignorance, a concept introduced by John Rawls, is a thought experiment used to determine:
अज्ञान का पर्दा, जो जॉन रॉल्स द्वारा प्रस्तुत एक अवधारणा है, एक विचार प्रयोग है जिसका उपयोग निर्धारित करने के लिए किया जाता है:

A The fairness of an action
किसी कार्य की निष्पक्षता

B The moral duties we owe to each other
एक-दूसरे के प्रति हमारे नैतिक कर्तव्य

C The principles of justice ✔
न्याय के सिद्धांत

D The virtues necessary for a good life
एक अच्छे जीवन के लिए आवश्यक गुण

Explanation / व्याख्या

- The "Veil of Ignorance" was proposed by John Rawls in his work "A Theory of Justice."
  "अज्ञान का पर्दा" जॉन रॉल्स द्वारा उनके कार्य "A Theory of Justice" में प्रस्तावित किया गया था।
- John Rawls, a prominent 20th-century American philosopher, introduced the concept of the "Veil of Ignorance" in his seminal work, "A Theory of Justice" (1971).
  जॉन रॉल्स, एक प्रमुख 20वीं सदी के अमेरिकी दार्शनिक, ने अपने प्रमुख कार्य "A Theory of Justice" (1971) में "अज्ञान का पर्दा" की अवधारणा प्रस्तुत की।
- This thought experiment asks individuals to design principles for a just society without knowing their place within it.
  यह विचार प्रयोग व्यक्तियों से एक न्यायपूर्ण समाज के लिए सिद्धांत बनाने के लिए कहता है, बिना यह जाने कि उनका स्थान उसमें क्या होगा।
- This impartiality aims to ensure fairness and equality, as decisions are made without the influence of personal bias or advantage.
  यह निष्पक्षता न्याय और समानता सुनिश्चि करने का लक्ष्य रखती है, क्योंकि निर्णय व्यक्तिगत पक्षपात या लाभ के प्रभाव के बिना किए जाते हैं।

Q. **Match the following ethical concepts with their originators:**
निम्नलिखित नैतिक अवधारणाओं का उनके प्रवर्तकों के साथ मिलान कीजिए:

(a) Virtuous communication	(1) John Stuart Mill
(b) Obey the professional duty	(2) John Rawls
(c) Principles of utilitarianism	(3) Aristotle
(d) Veil of ignorance	(4) Immanuel Kant

Choose the correct option from those given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए:

A. A2, B1, C4, D3
B. A3, B4, C1, D2
C. A4, B2, C3, D1
D. A1, B3, C2, D4

Explanation / व्याख्या:

(a) Virtuous communication	(3) Aristotle	Aristotle's ethics focus on virtues as foundational to a good and moral life.
(b) Obey the professional duty	(4) Immanuel Kant	Kant's deontology emphasizes acting according to duty and universal moral laws.
(c) Principles of utilitarianism	(1) John Stuart Mill	Mill's utilitarianism evaluates actions by their outcomes for happiness or pleasure.
(d) Veil of ignorance	(2) John Rawls	Rawls's concept aims for fairness in justice principles, assuming initial equality.

Answer / उत्तर:

A3, B4, C1, D2

JRF Media Academy by Rohit

Q. What does normative ethics primarily study?

नैतिकता के मानक (नॉर्मेटिव एथिक्स) का प्रमुख रूप से अध्ययन किसका होता है?

A The history of ethical thought
नैतिक विचारों का इतिहास

B The meaning of ethical terms
नैतिक शब्दों का अर्थ

C The standards for the rightness and wrongness of actions ✓
किसी कार्य की सही और गलतता के मानक

D The analysis of ethical concepts
नैतिक अवधारणाओं का विश्लेषण

Explanation / स्पष्टीकरण

Normative ethics is the branch of philosophical ethics concerned with criteria of what is morally right and wrong.

नैतिकता के मानक (नॉर्मेटिव एथिक्स) दर्शानिक नैतिकता की वह शाखा है जो इस बात के मानकों से संबंधित है कि क्या नैतिक रूप से सही है और क्या गलत।

Q. Which of the following methods or models is used to make decisions related to ethical dilemmas in media?

निम्नलिखित में से कौन-सा विधि या मॉडल मीडिया में नैतिक दुविधाओं से संबंधित निर्णय लेने के लिए उपयोग किया जाता है?

A. Fog Index
फॉग इंडेक्स

B. Flesch Method
फ्लेश विधि

C. Freytag Pyramid
फ्राइटैग पिरामिड

D. Potterbox
पॉटरबॉक्स

- Ralph B. Potter created a framework known as The Potter Box to help people make moral decisions.
  राल्फ बी. पॉटर ने एक ढांचा बनाया जिसे द पॉटर बॉक्स कहा जाता है ताकि लोगों को नैतिक निर्णय लेने में मदद मिल सके।
- When faced with moral quandaries, The Potter Box employs four levels of moral analysis
  जब नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ता है, तो द पॉटर बॉक्स नैतिक विश्लेषण के चार स्तरों का उपयोग करता है।

DEFINITION
All facts/issues arising in a situation

LOYALTIES
Who the decision-maker has loyalties or allegiances to

VALUES
Aesthetic
Professional
Logical
Moral
Sociocultural

PRINCIPLES
Ethical philosophies or modes of reasoning that may be applicable to facts/situation

Q. **Who introduced the concept of the "Veil of Ignorance"?**

"Veil of Ignorance" की अवधारणा किसने प्रस्तुत की?

A Immanuel Kant

B John Rawls

C Aristotle

D Jeremy Bentham

Explanation / व्याख्या:

The concept of the **"Veil of Ignorance"** was introduced by **John Rawls.**

"Veil of Ignorance" की अवधारणा जॉन रॉल्स ने प्रस्तुत की।

Answer / उत्तर:

B) John Rawls

JRF Media Academy by Rohit

Q. What does normative ethics primarily study?

नैतिकता के मानक (नॉर्मेटिव एथिक्स) का प्रमुख रूप से अध्ययन किसका होता है?

A The history of ethical thought
नैतिक विचारों का इतिहास

B The meaning of ethical terms
नैतिक शब्दों का अर्थ

C The standards for the rightness and wrongness of actions ✔
किसी कार्य की सही और गलतता के मानक

D The analysis of ethical concepts
नैतिक अवधारणाओं का विश्लेषण

Explanation / स्पष्टीकरण

Normative ethics is the branch of philosophical ethics concerned with criteria of what is morally right and wrong.

नैतिकता के मानक (नॉर्मेटिव एथिक्स) दर्शानिक नैतिकता की वह शाखा है जो इस बात के मानकों से संबंधित है कि क्या नैतिक रूप से सही है और क्या गलत।

Q. Match the following

निम्नलिखित का मिलान कीजिए

(a) Utilitarianism उपयोगितावाद	(1) Actions are right if they are useful or for the benefit of a majority. कर्म सही हैं यदि वे बहुसंख्या के लिए उपयोगी या लाभकारी हों।
(b) Deontological Ethics कर्तव्यनिष्ठ नैतिकता	(2) Moral behaviour stems from inherent character traits and virtues. नैतिक व्यवहार अंतर्निहित चरित्र गुणों और सद्गुणों से उत्पन्न होता है।
(c) Virtue Ethics सद्गुण नैतिकता	(3) The morality of an action is determined by its adherence to duty, rules, regardless of the outcome. किसी कर्म की नैतिकता उसके कर्तव्य और नियमों के पालन पर निर्भर करती है, परिणाम की परवाह किए बिना।
(d) Justice Theory by Rawls रॉल्स का न्याय सिद्धांत	(4) Society should be structured so that social and economic inequalities are arranged to benefit the least advantaged, and that all have equal basic liberties. समाज की संरचना इस प्रकार होनी चाहिए कि सामाजिक और आर्थिक असमानताएं सबसे वंचितों के लाभ के लिए व्यवस्थित हों, और सभी को समान मूलभूत स्वतंत्रताएं प्राप्त हों।

Options

1. A1, B3, C2, D4 ✔
2. A2, B1, C4, D3
3. A4, B2, C1, D3
4. A3, B4, C1, D2

UGC-NET PYQ's

Q. The ethical classification of categorical imperatives was supported by

नैतिक कर्तव्यों की नैतिक वर्गीकरण (वर्गीकृत अनिवार्यताओं) का समर्थन किसने किया था?

- **A** Immanuel Kant / इमानुएल कांट ✔ Answer / उत्तर
- **B** Lord Bryce / लॉर्ड ब्राइस
- **C** John Locke / जॉन लॉक
- **D** Karl Marx / कार्ल मार्क्स

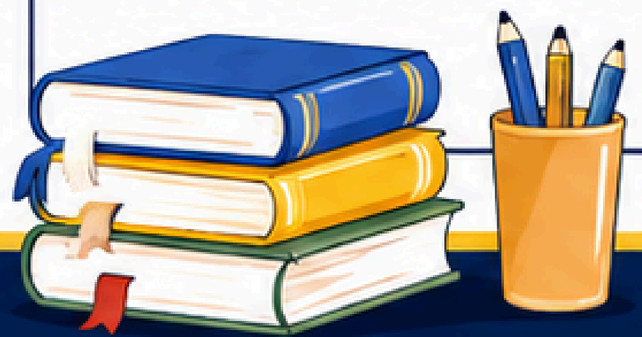

Explanation / व्याख्या

The concept of categorical imperatives is central to the ethical philosophy of Immanuel Kant, an 18th-century German philosopher.

वर्गीकृत अनिवार्यताओं की अवधारणा इमैनुएल कांट, एक 18वीं सदी के जर्मन दार्शनिक के नैतिक दर्शन का केंद्रीय तत्व है।

KANT'S CATEGORICAL IMPERATIVE

- **UNIVERSAL PRINCIPLE**
  - A person should act that the principle of one's act could become a universal law of human action in a world in which one would hope to live.
  - A person should treat other people as having intrinsic value, and not merely as a means to achieve one's end.

- **सार्वभौमिक सिद्धांत**
  - कोई व्यक्ति ऐसा कार्य करे कि उसके कार्य का सिद्धांत सार्वभौमिक मानव नियम बन सके, ऐसे संसार में जिसमें वह जीने की आशा करता हो।
  - किसी व्यक्ति को अन्य लोगों के साथ अंतर्निहित मूल्य के साथ व्यवहार करना चाहिए, न कि केवल अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के साधन के रूप में।

UGC-NET PYQ's

Q. **To which ethical theory does the statement Do unto others as you would have them do unto you belong?**
निम्न कथन किस नैतिक सिद्धांत से संबंधित है?
'Do unto others as you would have them do unto you'

- **A** Categorical imperatives
  श्रेणीबद्ध अनिवार्यताएँ ✔
- **B** Utilitarian
  उपयोगितावाद
- **C** Relativism
  सापेक्षतावाद
- **D** Golden mean
  स्वर्ण मध्य

Explanation / व्याख्या

- Immanuel Kant's famous Categorical Imperative states, "act only by that maxim through which you can at the same time will that it become a universal law."

  इम्मातुएल कांट के प्रसिद्ध श्रेणीबद्ध अनिवार्यता के अनुसार, "केवल उसी सिद्धांत के अनुसार कार्य करो जिसके बारे में तुम यह एक साथ चाह स्रो कि वह सार्वभौमिक नियम बन जाए!"

- To "do to others as you want others to do to you"

  "दूसरों के साथ जैसा ही करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें"